8. नाम वाले शब्द (संज्ञा)

इस दुनिया में, हमारे आस-पास सजीव या निर्जीव जितनी भी वस्तुएँ हैं, उन सभी का कोई-न-कोई नाम अवश्य है। ये नाम ही व्याकरण की भाषा में संज्ञा कहलाते हैं।

शिक्षण-संकेत

- शिक्षक/शिक्षिका बच्चों को बताएँ कि प्रत्येक वस्तु, प्राणी, इमारत, स्थान, पशु-पक्षी आदि का एक नाम होता है। नाम तरह-तरह के होते हैं।
- बच्चों को पाठ में दिए चित्रों के माध्यम से संज्ञा शब्दों की पहचान कराएँ।
- पृष्ठ 26 पर दी गई गतिविधि बच्चों से ही करवाएँ। पहले उनसे चित्र को ध्यान से देखने के लिए कहें फिर कमरे में क्या-क्या वस्तुएँ दिखाई दे रही हैं, उनका नाम बताने को कहें। तत्पश्चात उनका नाम लिखने को कहें।
- बच्चों को रोज़मर्रा के जीवन से जुड़ी वस्तुओं से अवगत करवाते हुए संज्ञा शब्दों को समझाएँ। जैसे– कमरे में लगा पंखा, मेज़ आदि। बच्चों द्वारा खाई जाने वाली चीज़ें आदि द्वारा भी संज्ञा शब्दों को बताया जा सकता है।
- पाठ पृष्ठ 27, 28, 29 पर दिए चित्रों के नाम पूछें तथा उनके अलावा अन्य शब्दों की भी जानकारी दें।
- बच्चों का ध्यान केंद्रित करने के लिए नाम वाले शब्दों के चित्रों को दिखाकर उनसे जुड़ी कोई रोचक या विशेष बात बताई जा सकती है। जैसे– गांधी जी, डॉ॰ कलाम या मैरी कॉम के बारे में बताते हुए उनसे बच्चों को परिचित करवाएँ। लालकिला या ताजमहल से जुड़ी कोई विशेष जानकारी से बच्चों को अवगत करवाया जा सकता है।
- बीच-बीच में बच्चों से प्रश्न पूछकर सुनिश्चित कर लें कि आपने जो समझाया बच्चा वह पूर्णतया समझ पाया या नहीं। यदि नहीं तो पुनः समझाएँ।
- 'आपने सीखा' में दिए बिंदुओं को बच्चों से पढ़वाएँ। इससे बच्चे पाठ की दोहराई कर पाँएगे।
- अभ्यास प्रश्न करवाते समय प्रत्येक बच्चे की पुस्तिका देखते रहें।
- अभ्यास प्रश्न करवाने में बच्चों की मदद करें।